रक्तचाप रिकार्ड करने की चेकलिस्ट

क्र.सं.	कार्य	केस			
		1	2	3	4
1	चेक करते हैं कि बल्ब ट्यूब के साथ ठीक तरह से जुड़ा है।				
2	बल्ब और कफ में किसी प्रकार की दरार और लीकेज की जाँच करते हैं				
3	यह चेक करते हैं कि मरकरी के कॉलम वाला नॉब खुला है				
4	व्यक्ति को कुर्सी पर बैठने या समतल सतह पर लेटने के लिए कहते हैं।				
5	बीपी मशीन को व्यक्ति के हृदय के लेवल पर, एक समतल जगह पर रखते हैं।				
6	मशीन के मरकरी का कॉलम, आँख के लेवल पर रखते हैं				
7	कफ को कोहनी के 1 इंच उपर बाँधते हैं और दोनों ट्यूब सामने की तरफ रखते हैं।				
8	कफ़ में प्रेशर बढ़ाना शुरू करते हैं और कोहनी पर ब्रेकियल आरट्री के उपर पल्स पर हाथ रखते हुए, पल्स बंद होने के बाद प्रेशर को 30 मिमी और बढ़ाते हैं।				
9	दबाव को धीरे–धीरे घटाते हैं और स्टेथोस्कोप को कोहनी पर ब्रेकियल आरट्री के उपर रख कर आवाज़ सुनते हैं।				
10	उस रीडिंग को नोट करते हैं जहाँ पर आवाज़ सुनाई देना शुरू हो (सिस्टॉलिक प्रेशर)।				
11	आवाज़ को सुनते रहते हैं तथा जब आवाज़ आनी बन्द हो जाये तो उस रीडिंग को रिकॉर्ड करते हैं (डायस्टॉलिक प्रेशर)।				
12	कफ़ की पूरी हवा निकाल कर कफ़ को हटा देते हैं और मरकरी कॉलम के नॉब को बन्द कर देते हैं।				
13	रीडिंग को एमसीपी कार्ड पर अंकित करते हैं।				

बीपी रिकॉर्ड करने के मुख्य बिन्दुः

- गर्भवती महिला की बीपी जाँच हर विज़िट पर करें।
- उच्च रक्तचाप तब कहते हैं जब दो लगातार रिकॉर्डिंग, जो 4 घंटे या उससे ज़्यादा के अन्तर पर ली गई है, में सिस्टॉलिक प्रेशर 140 या ज़्यादा हो और/या डायस्टॉलिक प्रेशर 90 या उससे ज़्यादा हो।
- गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप प्रेग्नेन्सी इन्डयूज़्ड हाईपरटेन्शन और/या कॉर्निक हाईप्ररटेन्शन को दर्शाता है।
- अगर महिला को उच्च रक्तचाप है तो उसके यूरीन में एलब्यूमिन की उपस्थिति चेक करें।
- उच्च रक्तचाप के साथ एलब्यूमिन की उपस्थिति महिला की स्थिति को प्री–ऐक्लैम्पसि़या की श्रेणी में डालने के लिए काफ़ी है। उसको तुरन्त डॉक्टर के पास रेफर करें।
- अगर डायस्टॉलिक प्रेशर 110 हो या उससे ज़्यादा हो, तो यह एक ख़तरे का लक्षण है जो यह दर्शाता है कि ऐक्लैम्पसि़या की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यूरीन एलब्यूमिन जल्द से जल्द करवायें। अगर वह स्ट्रॉंग पॉज़ेटिव है तो महिला को तुरन्त एफआरयू रेफर करें।
- अगर महिला को उच्च रक्तचाप है लेकिन पेशाब में एलब्यूमिन नहीं है तो उसे 24 X 7 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के डॉक्टर के पास रेफर करें।
- महिला जिसे प्रेग्नेंसी इन्ड्यूज्ड हाइपरटेंशन, प्री–ऐक्लैम्पसि़या या जिनका ऐक्लैम्पसि़या में जाना निश्चित है, को एक 24 X 7 घंटे वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र या एफआरयू में भर्ती करके उसकी निगरानी करनी चाहिए और उचित उपचार होना चाहिये।
- रीडिंग को महिला के एमसीपी कॉर्ड में अंकित करें।